मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–003

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

सी.वी.जी.-003 : वैदिक बीजगणित

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क 4×20=80

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :

   (i) गुणितसमुच्चयः

   (ii) द्विधा भवेत् रूपविभाग एवं स्थानैः पृथग्वा गुणितः समेताः।

(iii) खण्डद्वयस्याभिहतिर्द्विनिघ्नी तत्खण्डवर्गैक्ययुता कृतिर्वा।

(iv) भक्तो गुणः शुध्यति येन तेन लब्ध्या च गुण्यो गुणितः फलं वा।

(v) इष्टोनयुक्तेन गुणेन निघ्नोऽभीष्टघ्नगुण्यान्वित वर्जितो वा।

(vi) अथ स्थाप्योऽन्त्यवर्गो द्विगुणान्त्यनिघ्नाः, स्व-स्वोपरिष्टाच्च तथाऽपरेऽङ्कास्त्यक्त-वान्त्य-मुत्सार्य पुनश्च राशिम्।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(i) भारतीय गणितज्ञ वराहमिहिर

(ii) शिवा पिल्लई

(iii) चक्रवाल विधि एवं करणी विधि

(iv) अरब एवं यूनान में भारतीय बीजगणित का प्रभाव

× × × × ×